R.N.I No. : 59665/92 डाक पंजीयन संख्याः SSP/LW/NP/115/2021-2023

वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज

जैन गज़ट

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

www.jaingajat.com

वर्ष 30 अंक 25 कुल पृष्ठ 08 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 09 मई 2022, वीर नि. संवत् 2548

(JAIN GAZETTE WEEKLY) Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

श्रीमान् स्व. सेठीजी का प्रथम स्मृति दिवस सेठी ट्रस्ट परिवार द्वारा सोत्साह सम्पन्न

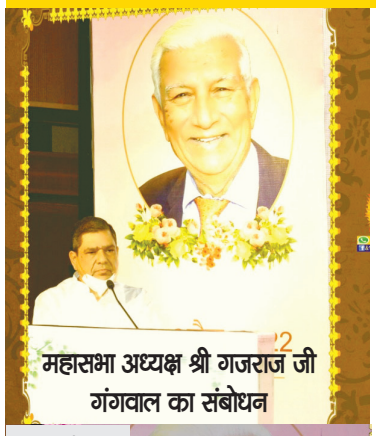

महासभा अध्यक्ष श्री गजराज जी गंगवाल का संबोधन

स्व. श्री सेठी जी के सुपुत्र श्री धर्मेन्द्र जी सेठी द्वारा विनयांजलि

आदरणीय स्व. श्री निर्मल कुमार जी सेठी की प्रथम पुण्यतिथि 27 अप्रैल को उनके आदरणीय पिताजी स्व. श्री हरकचंद जी जैन, सेठी डेह का 'परम्परा' नामक ग्रंथ जो स्व. श्री सेठी जी की बहुत समय से इच्छा थी, का विमोचन - पंडित जयकुमार जी उपाध्येय- दिल्ली, श्री धर्मेन्द्र जी सेठी-दिल्ली, श्री कमल कुमार जैन बाकलीवाल- अजमेर/दिल्ली, ब्र. श्री धर्मचंद जी शास्त्रीजी-अष्टापद, श्रीमती मधु जैन सेठी-दिल्ली, श्री सुकमाल जी सेठी-दिल्ली, श्री महावीर जी सेठी-सिल्चर, श्रीमती तारारानी जैन सेठी-सिल्चर, ब्र. मुन्नीदेवी जैन गंगवाल-सिल्चर, सरोज देवी जैन पाण्ड्या-गुवाहाटी, श्रीमती संतोष जैन गंगवाल-दिल्ली द्वारा किया गया

भरत कुमार काला, प्रधान सम्पादक का सम्पादकीय

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन समाज की सर्वाधिक प्राचीन 127 वर्षीय आगमनिष्ठ धार्मिक प्रतिनिधिक संस्था श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के अनवरत् जीवन के अंतिम क्षण तक अध्यक्ष पद की गरिमा को उन्नत करते हुए दिगम्बर जैन देव-शास्त्र-गुरू और उनके आयतनों तीर्थ, शास्त्र गुरूओं की यथावत सुरक्षा-संवर्धन-

समुन्नत उन्नति में समर्पित भावों से, निर्मल, पवित्र मन **शेष पृष्ठ 4 पर** ....

॥ श्री महावीराय नमः ॥

शुद्ध स्वादिष्ट जैन भोजन सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ

जैन तीर्थ यात्राऐं एवं पर्यटक स्थलों की सैर

मुख्य आकर्षण वायुदूत की सुप्रसिद्ध किचन वाली जैन भोजन सुविधा, लग्झरी आवास, आरामदायक यातायात, कुशल संचालन

4614,-16, Pahari Dhiraj, Sadar Bazar, Delhi-110006

(M). 9313338256, 9810408256, 9818312056

E-Mail : vayudoottravels@gmail.com

ला: नेमचंद्र जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ

वायुदूत वर्ल्ड ट्रैव्लस (ई.) प्रा. लि.

पूर्ण अति प्राचीन मनोरथ 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

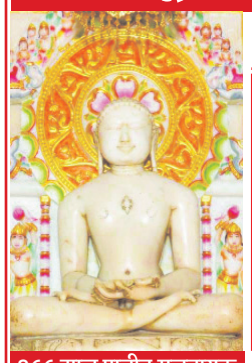

866 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का LIVE प्रसारण

LIVE

शांतिधारा : 7:15 - 8:00 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:

अमित शर्मा (Manager)-9783016885

हस्तेड़ा जैन मंदिर दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.

संपर्क सूत्रः

नितिन कुमार पाटनी (मंत्री) 9001255955

मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष) 095880-20330

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

JK

MASALE

SINCE1957

join us jk masale

Shudh khao Swasth Raho

चिंतन से समझ सही होती है।

साप्ताहिक जैन गज़ट

मुनिसुव्रतनाथ भगवान का जन्म कल्याणक मनाया गया

पारस जैन 'पार्श्वमणि', रा. संवाददाता

कोटा (राज.)। मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिकाल चौबीसी आर. के. पुरम् कोटा में मुनिसुव्रतनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव श्रद्धा भक्ति और समर्पण के साथ मनाया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर जैन एवं महामंत्री पवन कुमार जैन पटौदी कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने बताया कि भगवान की शोभायात्रा के लिए रजत पालकी में विराजमान करने हेतु श्रीमान् रूपचंद जी, दिलीप जी, अभिषेक जी, निधिश जी डूंगरवाल परिवार ने सौभाग्य प्राप्त किया।

भगवान को पालकी में विराजमान कर शोभायात्रा आर. के. पुरम् सेक्टर-ए में विभिन्न मार्गो से होती हुई वापस मंदिर पर पहुंची। रास्ते

में सभी भक्तगण झूमते नाचते गाते चल रहे थे एवं जगह-जगह भगवान की आरती की गई। पारस जैन 'पार्श्वमणि' ने बताया कि शोभायात्रा मंदिर में पहुंचने के उपरांत प्रथम अभिषेक व 108 रिद्धिमंत्रों के साथ अभिषेक करने का सौभाग्य श्रीमान् दानमल जी, विमल कुमार जी जैन लांबाबास (कैथून वाले) ने प्राप्त किया। विधि विधान की क्रिया अभिषेक शास्त्री ने करवाई।

प्रथम शांति धारा का पुण्य अर्जन श्रीमान राजमल जी, मुकेश जी, अमन जी पापड़ीवाल परिवार ने प्राप्त किया। दूसरे पुण्यार्जक व प्रथम पालना झुलाने का पुण्यार्जन श्रीमान् भानु कुमार जी बोरखंडिया (गिरनार प्रॉपर्टी), तीसरी शांतिधारा श्रीमान् राजकुमार जी-सुनीता जी वेद, चौथी शांतिधारा अमोलकचंद जी, मनीष जी, वात्सल्य जी हरसौरा परिवार ने प्राप्त किया।

रेलवे स्टेशन सुजानगढ़ को लगेज ट्रॉली

महावीर प्रसाद पाटनी, संवाददाता

सुजानगढ़। पूज्य गुरू मां आर्यिका गणिनी 105 सुपार्श्वमति माताजी के दसवें अंतर विलय दिवस पर समिति के परम संरक्षक आदरणीय कवरीलाल जी काला की प्रेरणा से क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति उत्तर पश्चिम रेलवे के सदस्य श्री अनिल कुमार खटेड़ के मार्गदर्शन से सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा हेतु 10 लगेज ट्रॉली प्रदान की। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि भामाशाह श्रीमान् संतोष कुमार जी महेंद्र कुमार जी कमलेश कुमार जी पाण्ड्या सुजानगढ़ निवासी गुवाहाटी प्रवासी के सौजन्य से समिति द्वारा रेलवे स्टेशन को 200 किलो वजन क्षमता वाली ट्रॉली भेंट की है।

इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन समाज के मंत्री श्री पारसमल जी बगड़ा, उपाध्यक्ष श्री लालचंद जी बगड़ा, प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य श्री संतोष जी गंगवाल, मंजू देवी बाकलीवाल, मंजू देवी पाटनी, संगीता देवी पाटनी, प्रीति देवी बगड़ा, शकुन्तला देवी बगड़ा, रेलवे स्टेशन मास्टर विनोद जी उपस्थित थे।

महासभा के महानायक श्री निर्मल कुमार जी सेठी को महासभा महाराष्ट्र प्रांत की ओर से विनयांजलि

संवाददाता

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के महानायक, 40 वर्षो तक अध्यक्ष रहे, आदरणीय निर्मल कुमार जी सेठी की प्रथम पुण्यतिथि 27 अप्रैल को औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में संपन्न हुयी। आपने देश-विदेश के जैन धर्म के संस्कृति के प्रचार-प्रसार में तीर्थो के जीर्णोद्धार में तथा समाज कल्याण में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया था। आप गत् 27 अप्रैल, 2021 को कोरोना जैसी महामारी के कारण हमसे विदा हुये, किंतु आपके कार्यो की प्रेरणा एवं आपका मार्गदर्शन आज भी हमें पथ प्रदर्शित करता है और करता

रहेगा। आपकी प्रथम पुण्यतिथि पर महाराष्ट्र प्रांत की महासभा ने विनयान्जली सभा का आयोजन किया जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलन कर बाबूजी के फेटो को पुष्प अर्पण किए गए। तत्पश्चात् देवेंद्र काला कार्याध्यक्ष धर्म संरक्षिणी, प्रकाश पाटनी अध्यक्ष तीर्थ संरक्षिणी, महावीर ठोले महामंत्री तीर्थ संरक्षिणी, डी. बी. पहाड़े महामंत्री धर्म संरक्षिणी, अनूप पाटनी मराठवाड़ा संभाग के धर्म संरक्षिणी के महामंत्री, प्रकाश कासलीवाल अध्यक्ष मराठवाड़ा संभाग, राजकुमार कासलीवाल सदस्य तीर्थ संरक्षिणी आदि ने बाबूजी के कार्यो के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालकर विनयान्जली अर्पित की। कार्यक्रम को सफल बनाने में दिगम्बर क्षीरसागर, वर्धमान कासलीवाल, प्रशांत जैन, पीयूष कासलीवाल आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सूत्र संचालन तथा आभार प्रदर्शन महावीर ठोले ने किया। यह जानकारी महासभा के महामंत्री महावीर ठोले ने दी।

अल्पसंख्यक प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता समाप्त

अनिल जैन बड़कुल

अल्पसंख्यक प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता 6 साल पहले भारत शासन ने समाप्त कर दी है पर समाज के विद्यार्थी अब तक अनभिज्ञ हैं। इसके स्थान पर साधारण कागज पर शासन द्वारा निर्धारित प्रोफॉर्मा में मात्र 'स्व घोषणा' ही पर्याप्त है। राजस्थान सहित एक-दो राज्य में शासन द्वारा अल्पसंख्यक प्रमाण-पत्र जारी किए जा रहे हैं, वह बनवाये जा सकते है। भारत सरकार ने किसी निजी व्यक्ति या संस्था को अल्पसंख्यक प्रमाण-पत्र जारी करने को नियुक्त नहीं किया है। आप समझदारी का परिचय दें। जब शासन ने स्पष्ट आदेश जारी कर दिए तो आप क्यों भ्रमित हो रहे हैं। तो क्या करें? बस शासन द्वारा जारी स्वघोषणा पत्र का निर्धारित प्रपत्र की प्रिंट या फोटो कॉपी का उपयोग करें। स्वयं भरिये और स्वयं हस्ताक्षर कर उपयोग कीजिये। न स्टाम्प पेपर न किसी से आवेदन करने की जरूरत न किसी से प्राइवेट बनवाने का औचित्य। शासन द्वारा जारी सुविधाओं में जहां स्पष्ट सेल्फ डिक्लरेशन साफ-साफ लिखा रहता है तो अनाधिकृत सर्टिफिक्रेट का उपयोग न करें। अपना विवेक जाग्रत करें। भ्रमित न हों। आखिर कब तक आंखें मूंदे रहेंगे। समाज के पदाधिकारी एवं सेवाभावी संस्थाएं इन स्वघोषित प्रमाण पत्र की फेटो प्रतियाँ हर गांव-नगर में घर-घर बंटवाएं। इसके अलावा भी कई योजनाओं के स्वघोषणा पत्र भी शासन की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

स्व. श्रीमान तनसुखराय जी गड़िया
प्रथम पुण्य तिथि

स्व.श्री तनसुखराय जी गड़िया
जन्म 6 मार्च 1934 देवलोकगमन 7 मई 2021

जन्म : 1934, देवलोक गमन : 7-5-2021

निश्छल और पवित्र मन के स्वामी, सदैव प्रसन्न रहने वाले, जीवन के असीमित संघर्षों को केवल खुद के अदम्य साहस और इच्छा शक्ति के बल पर जीतने वाले, अपने कर्तव्य के प्रति आपकी निष्ठा और लगन हमें निरंतर प्रेरणा देती रहेगी। आपके उदार व्यक्तित्व का आलोक सदैव हमारे प्रगति पथ को प्रकाशित करता रहेगा। आपका अथक परिश्रम, स्नेहमयी व्यवहार, धर्मनिष्ठ एवं सरल जीवन सदैव हमारे लिए प्रेरणादायी रहेगा। आप हमारे आदर्श हैं, आपसे मिले संस्कार सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। आपका आशीर्वाद सदा हम पर बना रहे। आपके श्री चरणों में शत् शत् नम्न।

पत्नी - श्रीमती बसन्ती देवी गड़िया

परिवार : चन्द्रसेन-वीणा गड़िया, हेमन्त-आशा गड़िया, सूर्यसेन-किरण गड़िया, मित्रसेन-मनीषा गड़िया, साधना-राजेश सेठ एवं समस्त परिवार

सिद्धचक्र विधान सम्पन्न

राज कुमार अजमेरा, संवाददाता

सम्मेदशिखर जी, 17 अप्रैल। उभय मासोपवासी, साधना महोदधि, महातपोमार्तण्ड, अन्तर्मना आचार्यश्री प्रसन्न सागर जी महाराज के 34वें संयमोत्सव पर सम्मेद शिखर के स्वर्णभद्र कूट पर चतुर्दशी के पर्व पर अन्तर्मना के सान्निध्य में सिद्धचक्र महामण्डल विधान की आराधना गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी सकल संघ ने एवं अशोक, मधु, राहुल, रोहित, कीर्ति, चांदनी पहाड़िया गुवाहाटी परिवार, विट्टू (रूचि) सरावगी बैंगलोर, मनोज चौधरी हैदराबाद, सचिन छाबड़ा गुवाहाटी, लाली, पिंकी, अल्ली, बिट्टू, सत्येंद्र, मोनू, आराध्या आदि अनेक भक्तों ने विधान का लाभ लिया। स्वर्णभद्र कूट के चरणों की शान्तिधारा करने का सौभाग्य श्री कमलेश जी पहाड़िया कानपुर को लाभ मिला। अन्तर्मना तपाचार्य को नवीन पिच्छीका आचार्य गुणभद्र नन्दी, मुनिश्री पुण्य सागर जी महाराज, सौम्य मूर्ति मुनिश्री पीयूष सागर जी संघ एवं गणिनी विशाश्री माताजी ससंघ ने भेंट की और पुरानी पिच्छीका अशोक मधु पहाड़िया गुवाहाटी को प्राप्त करने का स्वर्णिम सौभाग्य मिला।

मेरठ में हुआ शिक्षण शिविर

जिनेन्द्र सिंघई, संवाददाता

मेरठ। आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज की जन्म जयन्ती पर श्रुत संवर्धन संस्थान, मेरठ द्वारा संचालित श्रुत संवर्धन ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविरों का शुभारम्भ 21.04.2022 को हुआ जो 30.04.2022 तक चला।, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, सरस्वती लोक, मेरठ में अध्यापन कार्य के लिए आए हुए विद्वान पं. जिनेन्द्र सिंघई शास्त्री एवं पं. शशांक सिंघई व्याकरणाचार्य के निर्देशन में शिविर का शुभारम्भ हुआ। शिविरार्थियों में भी अच्छा उत्साह देखने को मिला, शिविर के शुभारंभ के समय प्रथम मंगलाचरण श्रीमती रितु जी जैन एवं द्वितीय मंगलाचरण श्रीमती सुरभि जी जैन ने किया तत्पश्चात् आचार्य ज्ञानसागर जी का चित्र अनावरण एवं समक्ष ही दीप प्रज्जवलन का कार्यक्रम श्री स्वदेश जैन, श्री अशोक जैन, श्री राकेश जैन सभासद सरस्वती लोक, श्री प्रदीप जैन के द्वारा हुआ, पश्चात् आचार्य ज्ञानसागर जी का परिचय एवं वर्तमान में शिविरों की आवश्यकता को लेकर एक व्याख्यान आगंतुक विद्वान द्वय द्वारा किया गया।

वर्तमान शासन नायक
भगवान महावीर स्वामी

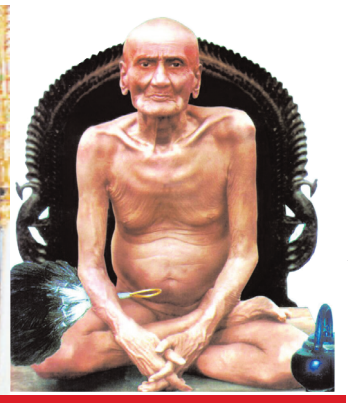

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य
श्री शांति सागर जी महाराज

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.jaingajat.com

वर्ष 30 अंक 25 कुल पृष्ठ 08 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 09 मई 2022, वीर नि. संवत् 2548

(JAIN GAZETTE WEEKLY) Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

महासभा की जन्म स्थली मथुरा में श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के कीर्ति स्तंभ का हुआ लोकार्पण

उ.प्र. के कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने कीर्ति स्तंभ का किया लोकार्पण

जैन गजट संवाददाता

मथुरा/चौरासी, 28 अप्रैल, 2022। मथुरा में अंतिम केवली जम्बू स्वामी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र की पावन धरा पर श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के 125 वर्ष पूरे होने पर उत्तर प्रदेश सरकार के गन्ना विकास कैबिनेट मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने महासभा के कीर्ति स्तंभ का लोकार्पण किया। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पुण्यार्जक श्री महावीर कुमार सेठी, धर्मेंद्र सेठी, सेठी परिवार ट्रस्ट नयी दिल्ली रहा। इस कार्यक्रम में महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र बड़जात्या, श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा के महामंत्री राजकुमार सेठी कोलकाता, धर्म संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया, तीर्थ संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष धर्मचंद पहाड़िया, तीर्थ संरक्षिणी महासभा के संयुक्त मंत्री कमल रांवका, महासभा राजस्थान के अध्यक्ष कमल बाबू जैन, पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, जैन युवा परिषद् राजस्थान के अध्यक्ष दिलीप जैन, चित्रांकन फोटो इवेंट के सतीश जैन अकेला, अनिल जैन नेमी सागर कॉलोनी, भागचंद बाकलीवाल दुर्गापुरा, राजेंद्र बिलाला, पीसी जैन युनीवर्सिटी जयपुर, गुलाबचंद अजमेरा, राजेंद्र पापड़ीवाल महावीर नगर, महेंद्र बैराठी, सुरेश बज, वीरेंद्र बड़जात्या, सुरेश बज, वीरेंद्र बड़जात्या, सुरेश बज, नरेंद्र बैराठी, कैलाश गोधा, श्री विजय जी टोंग्या अध्यक्ष श्री जम्बूस्वामी निर्वाण स्थली चौरासी मथुरा, महावीर प्रसाद जी सेठी-सिल्चर श्री धर्मेन्द्र सेठी-दिल्ली आदि अनेक महानुभाव उपस्थित थे।

परम पूज्य आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज पटनागंज रहली में

- आचार्यश्री

परम पूज्य आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज ससंघ अतिशय क्षेत्र पटनागंज, रहली जिला-सागर (मध्य प्रदेश) में विराजमान हैं। आवास व्यवस्था के लिये सम्पर्क करें - मुकेश जैन - 9300778774, सुशील मलैया - 9303292212, प्रशांत जैन - 9993082262 भोजन व्यवस्था - अनिल जैन अन्नू - 9301808030, रोहित जैन (सर्वोदय) - 9926533885, निशात जैन - 7987107011, नीलेश जैन कल्लू - 9301660311, टोनु जैन जूना - 8236808085 अन्य किसी भी प्रकार की सहायता के लिए संपर्क करें - नीलेश जैन रिंकू जैन पटनागंज - 6263441106 पटनागंज क्षेत्र का नंबर - संजय जैन मैनेजर - 9399706879, आनंद जैन - 8966901501

विशेष निवेदन

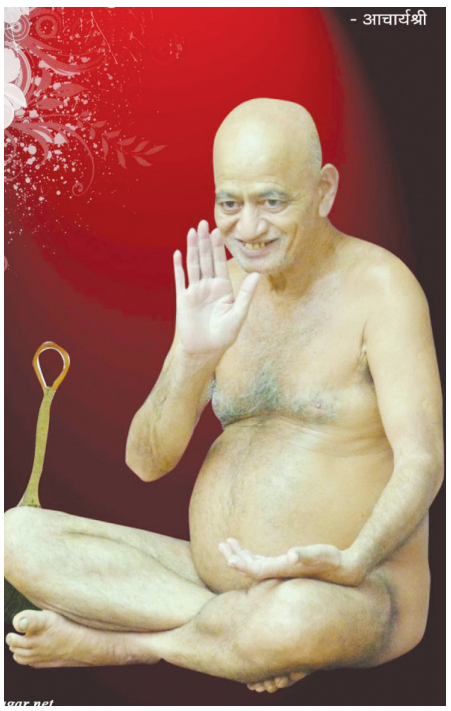

"समस्त खंडेलवाल दिगम्बर जैन समाज से निवेदन है कि अपने परिवार के विवाह योग्य युवक एवं युवतियों के बायोडाटा 'खंडेलवाल जैन हितेच्छु' पत्रिका लखनऊ में निशुल्क प्रकाशनार्थ वाट्सअप नं. 9621023629 पर भेजने की कृपा करें।"

धार्मिक/सामाजिक आयोजनों के अवसर पर "खण्डेलवाल जैन हितेच्छु" मासिक पत्रिका में 5000/- रूपये 11000/- रूपये की सहायता राशि "खण्डेलवाल जैन हितेच्छु" के नाम से पंजाब नेशनल बैंक, शाखा-सआदतगंज, लखनऊ

IFSC Code-PUNB0076900, Account No. 0769000103117801

में जमा करने के उपरान्त कार्यालय में सूचित करने की कृपा करें।

बाबूलाल जैन छाबड़ा

प्रकाशक- 'खंडेलवाल जैन हितेच्छु' लखनऊ मो. 8318155359

फर्म: संतोष गृह उद्योग
(सौंफ, किराना एवं जड़ी बूटी के व्यापारी एवं आढ़ती)
सआदतगंज, लखनऊ-226003
फोन: (दु.) 2649740 (नि.) 2648644 (मो.) 9651764174

जैन गजट में विज्ञापन देकर लाभ उठायें एवं धर्म प्रचार व प्रसार में बनें सहभागी

पाठक संख्या लगभग पांच लाख, पूरे देश भर में प्रचार-प्रसार, सभी प्रमुख तीर्थक्षेत्रों- विद्वानों-प्रतिष्ठाचार्यों एवं चातुर्मास में प्रति वर्ष समस्त मुनि संघों में निःशुल्क प्रेषण। प्रमुख श्रेष्ठियों, जैन उद्योगपतियों, जैन संस्थाओं व पत्र पत्रिकाओं के यहाँ तक पहुंच। निम्न संबंधी विज्ञापन छपवाकर लाभ उठायें- वैवाहिक, पंचकल्याणक, विधान, जैन कालोनी में प्रापर्टी प्लाट/ मकान/ फ्लैट आवंटन, पूजा सामग्री, धोती दुपट्टे, जैन विद्वान, पुजारी आवश्यकता, जन्म दिन- नववर्ष-वैवाहिक बधाई, शुभ कामना सन्देश, गोष्ठी व सम्मेलन, धार्मिक सामाजिक आयोजन, शुद्ध जैन खाद्य सामग्री यथा पापड़, अचार, नमकीन, मुरब्बा आदि, जैन तीर्थयात्रा, जैन होटल, जैन तीर्थक्षेत्र सिद्धक्षेत्रों के पर्यटन को बढ़ावा सम्बन्धी विज्ञापन, समाज की धार्मिक शैक्षणिक संस्थाओं के विज्ञापन, जैन पत्र पत्रिका संबंधी विज्ञापन, व्यवसायिक प्रतिष्ठान उद्घाटन, गृह प्रवेश, भगवान महावीर जयंती- पर्यूषण पर्व- दीपावली एवं नववर्ष की शुभकामनायें एवं बधाईयों के विज्ञापन कम खर्च में छपवाकर जैन समाज के लाखों लोगों तक अपनी बात पहुंचाईये।

फोन: 0522- 2662589, 2661021, 9415108233, वाट्सअप 7607921391 Email- dmahasabha@yahoo.com

सीख भीख नहीं है आपकी भूख का नतीजा है।

साप्ताहिक जैन गज़ट

महासभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री सेठी जी का प्रथम पुण्य स्मृति दिवस मनाया गया

शेष पृष्ठ 1 का.....

से आगम मर्यादा का उल्लंघन न करते हुए प्रामाणिकता से सतत् रत रहने वाले जैन समाज के पुरोधा 82 वर्ष की आयु में गत् वर्ष 27 अप्रैल 2021 को विश्व भर में फैले भयंकर कोरोना रोग के कारण स्वर्गवास को प्राप्त स्व. श्रीमान् श्री निर्मल कुमार जी सेठी जी को आज दिनांक 27 अप्रैल, 2022 को एक वर्ष के पूर्ण होने पर उनका प्रथम पुण्य स्मृति स्मरण उनके सुपुत्र श्री धर्मेन्द्र जी सेठी और सेठी ट्रस्ट परिवार द्वारा देहली महानगर में बड़े उत्साह के साथ अनेकों स्मृति रूप कार्यों के साथ मनाया गया। कोरोना जैसी विश्व भर की त्रासदी में कोरोना रोग ने रिश्तेदार के एक सदस्य से दूसरे सदस्य तक को स्पर्श करने तक के लिए प्रतिबंध कर दिया था, की स्थिति में जैन समाज की अपूर्व निधि महामानव महानायक को अकेले एक पुत्र श्री धर्मेन्द्र जी को ही स्व. श्रीमान् श्री निर्मल कुमार जी सेठी के पार्थिव शरीर का धार्मिक विधि पूर्वक अग्नि संस्कार करने को कठोर हृदय से बाध्य होना पड़ा था। समाज को भी उनकी इस अग्नि संस्कार क्रिया को साश्रु नयनों से जैन झूम चॅनल पर देखने को बाध्य होना पड़ा था। न परिवार के लोग, न समाज के लोग इस सारपूर्ण मूल्यवान महानायक की अंतिम विदाई में भी सम्मिलित नहीं हो पाये, न जा सके थे। ऐसे महानायक का प्रथम पुण्य तिथि महोत्सव दिनांक 27 अप्रैल, 2022 बुधवार को वैशाख कृष्ण बारस (अर्थात् चैत्र कृष्ण बारस) को सेठी ट्रस्ट परिवार ने बड़े उत्साह से आयोजित किया था। भारत की राजधानी देहली में भारत सरकार के नियंत्रण में निर्मित डॉ. बाबासाहब आम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर 15 जनपथ मार्ग कनाट प्लेस में करीब 650 की बैठक का वैभव सुविधा से युक्त हॉल में विनयांजलि सभा का आयोजन दोपहर 2 बजे से आयोजित था। जैन समाज के सुप्रसिद्ध कवि गायक श्री सिद्धार्थ मोहनजी का 2 बजे से 3 बजे तक सुंदर मधुर जैन भजन के गान हुए। अब तक समाज के अनेकों प्रतिष्ठित महानुभाव इस विनयांजलि सभा में एकत्रित हो गये थे। आने वाले सभी महानुभाव अग्रिम पंक्ति में बैठने के गौरव से भूषित हैं। तीन बजे तक 650 की क्षमता वाला हाल पूरी तरह से भर गया था। कईयों को खड़ा रहने को बाध्य होना पड़ा था। भजन गान के बाद बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य धर्म के पुनरुद्धारक चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज पट्टाचार्य के वर्तमान के प्रथम पट्टाचार्य वात्सल्य वारिधि परम पूज्य आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज, वर्तमान की सर्वोच्च साध्वी आर्यिका पूज्य श्री ज्ञानमती माताजी का

विनयांजलि कार्यक्रम में उपस्थित महानुभाव

सर्वप्रथम स्व. श्रीमान् निर्मल जी के लिए प्रकट अपनी भावांजलि का वीडियो सभागार में दिखाया गया। दोनों पूज्यवरों ने महासभा का सज्जातित्व सिद्धान्त को जिस तरह से स्व. श्रीमान् निर्मल जी ने सुरक्षा और प्रचार किया है इसी प्रकार से वर्तमान नये पदाधिकारी भी करेंगे, ऐसी भावना प्रगट की। इसके बाद सुप्रसिद्ध गायिका श्रीमती उमाजी गर्ग द्वारा मंगलाचरण किया गया। तदनंतर पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री प्रदीप जी जैन आदित्य झांसी, श्री सुरेश जी जैन लुहाड़िया चॉंसलर तीर्थंकर महावीर यूनीवर्सिटी मुरादाबाद, श्री प्रदीप जी जैन पी.एन. सी. आगरा, श्री महावीर प्रसाद जी सेठी-सिल्चर, श्री सुकुमाल जी सेठी-तिनसुकिया, ब्र. मुन्नीबाई, ब्र. सरोज जैन, श्री धर्मेन्द्र जी जैन सेठी आदि के द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया। तदनंतर स्व. श्रीमान् निर्मल कुमार जी सेठी के जीवन पर संग्रहित आयुष्य के अत्यन्त महत्वपूर्ण क्षणों के चित्रों का प्रदर्शन वीडियो द्वारा दिखाया गया। बोध गया के विद्वान् प्रो. श्री नलिन जी के शास्त्री का स्व. श्रीमान् निर्मल जी के जीवनी पर प्रभावी उद्बोधन हुआ। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, तिजारा (राजस्थान) के श्री कमल जैन सभा का बड़ा ही प्रभावी संचालन कर रहे थे। हस्तिनापुर जम्बूद्वीप के पीठाधीश श्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामी जी हस्तिनापुर का स्व. श्रीमान निर्मल कुमार जी सेठी की दृढ़ता एवं सज्जातित्व पर जबरदस्त पकड़ पर प्रभावी उद्बोधन हुआ। इसके बाद श्रीमान् महावीर प्रसाद जी सेठी सिल्चर (भ्राता) का स्वागत भाषण हुआ और स्व. श्रीमान निर्मल कुमार जी सेठी की स्मृति में प्रतिवर्ष दो पुरस्कार समाज के श्रेष्ठ विद्वान और कार्यकर्ता को प्रदान करने की घोषणा की। एक पुरस्कार रूपये एक लाख का होगा। इस पुरस्कार का नाम श्रीमान् निर्मल कुमार जी सेठी मेमोरियल जैन कल्चर पुरस्कार और दूसरा पुरस्कार का नाम श्रीमान् निर्मल कुमार सेठी जैन मेमोरियल फिलोसफी पुरस्कार जो दो लाख रूपये का होगा। इसके बाद श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जी गंगवाल, दिल्ली ने अपने उद्बोधन में स्व. श्रीमान् निर्मल कुमार जी सेठी के प्रति अपनी विनयांजलि प्रगट करते हुए कहा कि श्रीमान् निर्मल कुमार जी सेठी ने महासभा के माध्यम से धर्म, समाज, देश और राष्ट्र के हित में बहुत कार्य किए हैं। हमें उन सभी कार्य को आगे बढ़ाना है। मुम्बई के श्री जमनालाल जी हपावत विशेष रूप से सभा में उपस्थित थे। इनका उल्लेख करते हुए अपने उद्बोधन में श्री गजराजजी ने कहा कि हम सबको साथ में रहकर धर्म व राष्ट्र हित व समाज हित के लिए कार्य करना चाहिए, इसी एकता से हम राष्ट्र में धर्म, समाज, राष्ट्र हित के लिए कार्य करेंगे तो बहुत ही अच्छा रहेगा। पुरातत्व संशोधक अधिकारी डॉ. मजुमदार शोभन कोलकाता इन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 27 अप्रैल यह दिन जैन हैरिटेज दिवस के रूप में समाज में मनाया जाय। ''जैनिज्म इन वेस्ट बंगाल' नामक एक संशोधनात्मक किताब का विमोचन माननीय श्री प्रदीप जी जैन झांसी, श्री प्रदीप जी जैन, पी. एन. सी. आगरा और राजकुमार जी सेठी कोलकाता इनके करकमलों से किया गया। इस कार्यक्रम के बाद पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की घोषणा की गयी और पुरस्कार प्रदान किये गये। स्व. श्रीमान् निर्मल कुमार जी सेठी मेमोरियल जैन फिलॉसफी नाम का दो लाख रूपये का पुरस्कार मुम्बई के श्री जमनालाल जी हपावत के लिए श्रीयुत धर्मेन्द्र जी सेठी इन्होंने घोषित किया। अभिनंदन पत्र के साथ सेठी ट्रस्ट परिवार ने यह पुरस्कार श्री हपावत जी को प्रदान किया। श्रीयुत जमनालाल जी ने दो लाख रूपये के चेक में तीन लाख रूपये अपनी तरफ से मिलाकर सेठी ट्रस्ट देहली को वापस दे रहा हूं, की घोषणा की। सम्मान दिया। इसके लिए सेठी ट्रस्ट का आभार भी प्रगट किया। जब सेठी ट्रस्ट ने यह कहकर कि यह पुरस्कार सेठी ट्रस्ट की ओर से दिया है। दो लाख रूपये का चेक वापस लेने से मना कर दिया। यह अपने सेठी ट्रस्ट से दिया है अतः इसे आपको स्वीकार करना ही होगा तब श्री जमनालाल जी ने रूपये 2 लाख रूपये के पुरस्कार में अपनी ओर 3 लाख रूपये मिलाकर रूपये पांच लाख रूपये धार्मिक उन्नयन के लिए उपयोग करूंगा, यह कहकर स्वीकार किया। दूसरा एक लाख रूपये का जैन कल्चर पुरस्कार श्री डॉ. शुभम् मजुमदार कोलकाता को प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के बाद मैं अस्वस्थ होने से मुम्बई के लिए रवाना हो गया था। मीडिया सोर्सेस से यह मालूम हुआ कि तीर्थंकर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद के श्री सुरेश जी लुहाड़िया ने अपनी विनयांजलि में स्व. श्रीमान् निर्मल कुमार जी सेठी के प्रति भावांजलि प्रगट की। जैन राजनेता, श्री प्रदीप जी जैन आदित्य झांसी ने विनयांजलि समर्पित की। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा का मुख पत्र जैन गजट का स्व. श्री निर्मल कुमार जी सेठी की स्मृति में विशेष परिशिष्ट अंक दिनांक 25 अप्रैल, 2022 का विमोचन किया गया। इसके बाद सेठी परिवार के पिता एवं दादा स्व. श्रीमान् हरखचंदजी सेठी जी का 'परम्परा' नामक स्मृति ग्रंथ का विमोचन किया गया। श्रीयुत धर्मेन्द्र जी सेठी जी द्वारा उपस्थित महानुभावों के प्रति अपना आभार प्रगट करने के बाद णमोकार महामंत्र के उद्घोष के साथ समारोह का विसर्जन हुआ। सभी उपस्थितों को सुरूची भोज और शुद्ध भोजन उपलब्ध था। सभी ने भोजन का लाभ लिया। देश भर में अनेकों छोटे-बड़े शहरों में जैसे महाराष्ट्र में नासिक, औरंगाबाद, अंजनेरी, नागपुर में कर्नाटक में, गुजरात में, राजस्थान में, उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल गुवाहाटी, तिनसुकिया, सिल्चर, डीमापुर आदि अनेकों स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन हुआ। पारस चॅनल, आदिनाथ चॅनल, अहिंसा चॅनल द्वारा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया था। स्व. श्रीमान् निर्मल कुमार जी सेठी, दिल्ली सदा-सदा स्मरण रहेंगे।

विज्ञा वाणी

जो इंसान दूसरों की बुराई आपके सामने करता है वो इंसान आपकी तारीफ दूसरों के सामने क्या करेगा।

भारत गौरव आर्यिकारत्न 105 विज्ञा श्री माताजी राजस्थान में नैनवां जिला बून्दी में धर्म भव्य प्रभावना बढ़ा रही हैं।

: नमनकर्ता :
सुमेरचंद-ऊषा (रांवका)
बनीपार्क, जयपुर (राज.)

'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' के सदस्य बनें और बनवायें

सदस्यता शुल्क

केन्द्रीय स्तर पर आजीवन सदस्य (अवधि 10 वर्ष) - कुल शुल्क (जैन गजट के शुल्क रू. 9,900/- सहित) रू. 11,000/- 'जैन गजट' साप्ताहिक मुखपत्र 10 वर्ष तक साधारण डाक से राज्य स्तर पर आजीवन सदस्य (अवधि 10 वर्ष) - कुल शुल्क रू. 300/- डिजिटल 'जैन गजट' 10 वर्ष जायेगा।

सदस्यता शुल्क 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' के पक्ष में पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर ब्रान्च, लखनऊ- 226004 उ. प्र.

सेविंग अकाउण्ट 2405 0001 0003 3312 IFSC-PUNB 0185 600

नकद/अकाउण्ट में जमा (डिपोजिट स्लिप सहित/मनीऑर्डर/चेक/ड्राफ्ट/ऑनलाईन, स्क्रीन शॉट सहित) सदस्यता फार्म सहित भेजें

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा कार्यालय

श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ-226004 उ. प्र.
फोनः 0522-2662589, 2661021, 07880978415 व्हाट्सऐप नम्बर 7607921391 dmahasabha@yahoo.com, www.jaingajat.com

सदस्यता या विज्ञापन राशि 'जैन गजट के पक्ष में' पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर ब्रान्च, लखनऊ- 226004 (उ. प्र.) सेविंग अकाउण्ट 2405000100102500 IFSC - PUNB 0185600 नकद/अकाउण्ट में जमा (डिपोजिट स्लिप सहित) मनीऑर्डर/चेक/ड्राफ्ट/ऑनलाईन (स्क्रीन शॉट सहित) सदस्यता/विज्ञापन हेतु भेजें- श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ-226004 (उ. प्र.)

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
जैन गजट सम्पादक मंडल

भूतपूर्व अध्यक्ष
स्व. श्री निर्मल कुमार जी जैन सेठी
(सन् 1981 - 2021)

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मोबा. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132
Email- chennai@shriniwasa.com

परामर्शक अध्यक्ष एवं पंजीकृत सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

प्रधान सम्पादक
भरत कुमार काला
मो. 09224296198
Bharatkumarkala@gmail.com

सह सम्पादक
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
श्री विपीन कोटड़िया, हिम्मतनगर
मो. 09428281724

प्रकाशक एवं प्रबंध सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक
सुभाष गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट नहीं मिलने पर शिकायत
श्री कमल पाटोदी, दिल्ली
मोबा. 09871138842

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र.
रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500
'जैन गजट' में विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क- 0522-2662589, 2661021,
7607921391, 7880978415, 9415108233

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

SANTOSH JAIN & ASSOCIATES

SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD.

ANAMICA TRADERS PVT. LTD.

L. N. FINANCE PVT. LTD.

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

OFFICE :
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A. T. Road, Guwahati-781 001
M.: 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H. S. Road, Chhatribari, Guwahati-781 008
E-mail: casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

कर्म बंध का मुख्य कारण मन वचन काय है

शेखरचन्द पाटनी, रा. संवाददाता

आर्यिका गरिमामति माताजी के सारगर्भित प्रवचन

गोरेस्वर। संसार का प्रत्येक प्राणी कर्मो से बंधा हुआ है। कर्म बंध का मुख्य कारण मन वचन काय है। मन वचन काय के निमित्त से ही कर्मो का अभाव होता है और आश्रव पूर्वक बंध होता है। तत्वार्थसूत्र के छटे अध्याय में प्रथम सूत्र है, काय बाहुमनः कर्मयोग। प्रायः जीव मन वचन काय से आश्रव पूर्वक बन्ध करते हैं। हमारे पुराणों में मन-वचन-काय से आश्रव पूर्वक बंध के कई उदाहरण आते हैं। उसमें निम्न तीन उदाहरण मुख्य हैं -

द्रोपदी – मन से कर्मो का बंध करने में द्रोपदी का उदाहरण आता है - द्रोपदी अपने पूर्व भव में आर्यिका पर्याय में तपश्चरण कर रही थीं तभी एक महिला पांच पुरूषों के साथ सामने से आ रही थी तभी उसके मन में यह विचार आ गया कि मेरे से तो यह महिला कितनी अच्छी है कि मुझे तो एक पति ने भी नहीं रखा (ज्ञात रहे कि द्रोपदी के पूर्व भव में उसके शरीर से इतनी दुर्गन्ध आती थी कि शादी के बाद उसका पति एक दिन भी उसके पास नहीं रहा, उसको छोड़कर चला गया) और यह कितनी सौभाग्यशाली है कि इसके पांच-पांच पति हैं। इतना मन में सोचते हैं कि उसको निद्यति-निकाचित कर्मो का बंध हो गया। बाद में उसमें अपनी गुरू वाणी के पास प्रायश्चित भी किया। निज निन्दा भी की लेकिन बंध तो जो होना था वह हो ही गया। उसका फल यह हुआ कि द्रोपदी की पर्याय में उसको पंच भर्तारी के नाम से जाना जाता था। वास्तव में द्रोपदी पंच भर्तारी नहीं थी, द्रोपदी तो महान् सती थी और जैन शास्त्रों के अनुसार - अर्जुन की पत्नी थी। मन से किया पूर्वकृत पाप के कारण पंच भर्तारी कहा गया।

सीता - वचनों से कर्म बन्धन में अपने पुराणों में सीता का नाम आता है। सीता पूर्व भव में एक ब्राह्मण की पुत्री थी। उसका वेदवती नाम था। उसने मुनिराज और आर्यिका माताजी के ऊपर वचनों का गलत अप्रलाप किया था। मुनिराज माताजी पर कलंक लगाया था। फिर श्रावकों के समझाने पर उसने अपने किये हुए कुकृत्य की आत्म निन्दा भी की व प्रायश्चित भी किया फिर भी उसके वचनों से इतना कर्म-बंध हो गया कि सीता की पर्याय में उसके ऊपर भी कलंक लगा और अनेक दुखों का सामना करना पड़ा, यहां तक कि पात्रा के बहाने उसको जंगल में छोड़ दिया।

अंजना – काय अर्थात् शरीर से तीव्र कर्मो का बंध होता है। काय से बंध होने में अपने पुराणों में अंजना का नाम सर्वोपरि है। उसने अपने पूर्व भव में कनका देवी रानी की पर्याय में पट्टरानी के अहंकार में जिन बिम्बों को छिपा दिया, उसका फल इतना तीव्र उदय में आया कि उसको जंगल-जंगल भटकना पड़ा। अपनी आत्म-निन्दा भी की और आहार पर आयी हुयी आर्यिका माताजी के समझाने पर प्रायश्चित भी किया फिर भी देव-शास्त्र-गुरू धर्म के निमित से निद्यति-निकाचित कर्मो का बंध तो हो गया इसलिए कभी भी मन से, वचन से, काय से देव-शास्त्र-गुरू की निंदा अवर्णवाद नहीं करना चाहिए। निद्यति-निकाचित कर्म-देव-शास्त्र-धर्म के निमित से बन्ध होते हैं और उनके निमित्त से ही छूटते हैं इसलिए देव-शास्त्र-गुरू-धर्म पर श्रद्धा भक्ति, पूजा आराधना कर अपने कर्मो का क्षय करें। अपने से बन सके तो पूजा, भक्ति आदि करो किन्तु उनकी निंदा अवर्णवाद न करें यही सारभूत बात है।

भोजन और भजन दोनों शुद्ध होना चाहिए : आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

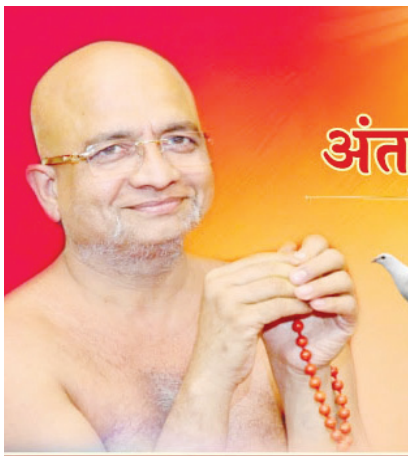

जिसका भोजन शुद्ध होता है, उसका भजन शुद्ध होता है...जिसका भोजन शुद्ध नहीं, उसका मन शुद्ध नहीं। आज हमारी समाज और देश का बदलता हुआ खान-पान, गम्भीर चिन्ता का विषय बनता जा रहा है। खान-पान की शुद्धि हमारी संस्कृति की पहचान रही है। भोजन ऐसा हो जिससे शरीर हुष्ट-पुष्ट और निरोग हो। पाश्चात्य परिवेश के अन्धानुकरण, आर्थिक सम्पन्नता, शहरी वातावरण, आकर्षक विज्ञापन, और रोज नये-नये सम्पर्क, होम डिलीवरी ने तो सत्यानाश करके रख दिया। 30 मिनट में घर बैठे मन चाहा मंगाओ, फिर सब मिलकर खाओ और बार-बार अस्पताल जाओ और भी कुछ ऐसे व्यसन हैं जिनके कारण युवा पीढ़ी पीड़ित, परेशान होकर शरीर को खोखला कर रही है। जैसे बड़े घर परिवारों में ड्रिंकिंग, स्मोकिंग, ड्रग्स, अण्डे आदि के प्रयोग की तो खुलेआम हो रहे और कहीं चोरी चुपके। इन अखाद्य और अपेय वस्तुओं ने संस्कृति और संस्कारों को खत्म कर दिया है। अमेरिका, इंग्लैण्ड, जर्मनी जैसे देशों का खान-पान शुद्ध हो रहा है और भारतीय संस्कृति का खानपान, रहन-सहन, सोना, उठना, सब बदल गया है। इसलिए आज के आदमी की दिनचर्या अस्त व्यस्त है। समय बिल्कुल नहीं और काम कुछ भी नहीं।

भगवान महावीर सन्देशों को जन-जन में पहुँचायें

अशोक जैन, मेरठ

भगवान महावीर ने सारा वैभव, राजपाट इसलिये छोड़ा था कि जगत के प्राणियों को शान्ति, अहिंसा और मोक्ष के लिए मार्गदर्शन कर सकें। पर हम सबने अपने स्वयं के स्वार्थ हेतु उनकी भक्ति वाला मार्ग अपनाया और प्रभु को भव्य मंदिरों तथा अनावश्यक खर्चीले आयोजनों एवं विशाल मूर्तियों तक में सीमित कर धर्म मान लिया। जबकि उनके अहिंसा, अपरिग्रह, कर्म, अनेकांत, सर्वज्ञता और जियो और जीने दो के सिद्धांत सर्वत्र करने की दिशा में हमारा योगदान प्रायः कम ही रहा है। वर्तमान में प्रभु की भक्ति में हम निज स्वार्थ एवं किसी चमत्कार को खोजने की होड़ में समय नष्ट कर रहे हैं। भगवान के इस जन्म कल्याणक पर हम सब महावीर प्रभु के मूल सिद्धांत और उनके दर्शन, उनके संदेश को जन-जन तक पहुँचायें तभी सब प्राणियों का कल्याण हो सकता है।

निर्मल – पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी

EVER GREEN
be positive get positive

Evergreen Hosiery Industries

Corp. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Phone : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com

Hello Bebe
LITTLE POPS KIDS WEAR
Young India Fashions
Address : 123, Lake Town, Block-B (Near Sagar-Sangam) Kolkata - 700 089
Mobile : 98300 05085, 98302 75490

MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434

EVERGREEN CREATION
Address : 507-508, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 98280 18707, 97279 82406

आत्मा की प्रभुता छीनने में कोई भी समर्थ नहीं है अतः सदा मस्त रहो।

साप्ताहिक जैन गज़ट

सागवाड़ा में वैश्विक प्रभावना व जन्म कल्याणक सम्पन्न

श्रमण मुनि सुविज्ञ सागर

सागवाड़ा। श्रद्धा, भक्ति, भावना, उदारता, दान, भाव विशुद्धि की पुण्य भूमि बाग्वर अंचल के ग. पु. कॉलोनी, सागवाड़ा में दीर्घकाल (प्रायः 28 माह) से प्रवासरत् सहज सरल समता धारक, वैज्ञानिक आचार्य प्रवर सन्त श्रेष्ठ गुरूवर श्री कनकनन्दी जी श्री की संघ निश्रा में वैश्विक प्रभावक भगवान् महावीर प्रभु की जयन्ती अत्यन्त हर्षोल्लास से मनाई गयी। आचार्यश्री के विविध शिष्य भक्तों द्वारा वैश्विक स्तर पर चल रही ज्ञान, विज्ञान, भाव, गुण आदि की आगमोक्त प्रभावना का बखान स्वप्रेरणा से किया गया। इस श्रृंखला में कलिकाल श्रेयांस ब्र. खुशपाल जी शाह ने आचार्य श्री से प्राप्त ज्ञान व अनुभव का बखान किया। कॉलोनी श्री समाज के अध्यक्ष श्री नगीन लाल जी शाह ने आचार्य श्री संघ की निस्पृहता, निराडम्बरता, अयाचक आदि गुणों की अभिव्यक्ति व अनुमोदना की। प्राचार्य श्री सुरेन्द्र कुमार जी पंचोरी ने भी अपने प्राप्त गुण व अनुभव के चौके-छक्के लगाए। आचार्य श्री संघ के हनुमान शिष्य श्री दिनेश चन्द्र जांगा जो कि अच्छे स्वयंसेवक भी हैं, ने अपने अनुभव बताकर आनन्दित हुए।

आचार्यश्री के ज्ञान विज्ञान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विविध शोथार्थी वैज्ञानिकों से सम्पर्क साधने वाले युवा इंजीनियर अभय कुमार ने बताया कि यू. के. में इण्टरनेशनल महावीर जैन मिशन, जैन आश्रम बर्मिंघम (ब्रिटेन) के प्रेसीडेण्ट श्री अरविन्दर जैन अपने चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से आचार्यश्री के शोध बोध व जैन एकता आदि अभियान को प्रगतिशील कर रहे हैं। आचार्यश्री के इसरो के वैज्ञानिक शिष्य डॉ. एस. एस. पोखरना ने बताया कि विविध देशों के प्रायः 1000 वैज्ञानिक आगामी अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजना कर रहे हैं जिसमें आचार्यश्री के नेतृत्व में ''मैं आत्मा/चेतना (ब्वदबपवनेदमे) विषय पर व्यापक संगोष्ठी होगी। ग्रंथाक 357 व 360 से 367 तक 9 ग्रंथों का विमोचन हुआ।

इस महावीर जयन्ती की धर्म सभा में अनेक ग्रामों से आये हुए भक्त शिष्यों ने आगामी चातुर्मास दीर्घ प्रवास (आजीवन) हेतु आचार्य श्री से अनुरोध किया। सागवाड़ा की समाज द्वारा अतिशय क्षेत्र योगेन्द्रगिरि पर श्री संघ के चातुर्मास प्रवास हेतु भावभीना निवेदन किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष व आचार्यश्री के प्रायः 25 वर्ष पुराने शिष्य भक्त श्री नरेन्द्र कुमार खोड़निया ने कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि हमने आचार्यश्री कनकनन्दी गुरूदेव को इस अंचल में लाकर ज्ञान, गुण, पुण्य, प्रभावना को लाए। इस अवसर पर आचार्यश्री ने सागवाड़ा के सर्वांगीण विकास, महानता, उदारता, संगठन शान्ति आदि उपलब्धि का बखान कर योगेन्द्र गिरि आने हेतु आशीर्वाद प्रदान किया। भीलूड़ा से गुरूभक्त श्री श्रीपाल जी, नन्दौड़ से मनीष जैन व जीवन लाल पाटीदार ने भी निवेदन किया। आचार्य श्री सृजित 9 ग्रन्थों का विमोचन किया गया।

डॉ. एस. पी. भारिल्ल को प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मान

जयपुर, 27 अप्रैल, 2022। उत्तरी अमेरिका के प्रतिष्ठित एज्टेका विश्वविद्यालय ने विश्व स्तर पर प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर, बिजनेस कंसल्टेंट, सीरियल एंटरप्रेन्योर डॉ. एस पी भारिल्ल को 'उद्यमिता में मानद डॉक्टरेट' से सम्मानित किया है। यूनेस्को की अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों की पुस्तिका में सूचीबद्ध, एज्टेका विश्वविद्यालय की पुस्तिका में सूचीबद्ध, एज्टेका विश्वविद्यालय इस विशेष डॉक्टरेट को उन असाधारण व्यक्तियों को प्रदान करता है जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण शैक्षणिक या सामाजिक योगदान दिया है। विस्मयकारी नेतृत्व के माध्यम से जीवन को बदलने के लिए, दुनिया भर में सैकड़ों प्रोफाइल से चुने जाने के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायन आयोग के परिसंघ द्वारा डॉ. भारिल्ल को पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। मध्य प्रदेश में जन्मे और जयपुर में पले-बढ़े, डॉ. भारिल्ल को 1999 में डायरेक्ट सेलिंग से परिचित कराया गया। दो दशकों से अधिक समय तक उद्योग में काम करने के बाद वह एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संगठन के कार्यकारी निदेशक के रूप में शीर्ष पर पहुंच गए और अपने व्यवसाय को पूरे देश में फैला दिया। राजस्थान और पूरा उत्तर भारत 90 के दशक में जब लोग अक्सर डायरेक्ट सेलिंग के लिए पोंजी योजनाओं को गलत समझते थे ओर अक्सर अपने पैसे का निवेश करने के लिए गुमराह किया जाता था। डॉ. भारिल्ल ने बिजनेस कोच के रूप में काम किया और सैकड़ों व्यक्तियों को सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय बनाने और बनाए रखने के लिए प्रशिक्षित किया।

अक्षय तृतीया : आज का दिया हुआ दान बनेगा अक्षय

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

महावीर कुमार सरावगी संवाददाता

नैनवां। गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ पावन सान्निध्य में अक्षय तृतीया दान पर्व एवं 11वां गणिनी पदारोहण दिवस बड़े आनंद के साथ मनाया गया।

गुरू मां ने प्रवचन में कहा कि सृष्टि का श्रृंगार प्रकृति करती है, पृथ्वी का श्रृंगार वर्षा करती है। रात का श्रृंगार चांदनी करती है। ऐसे ही आत्मा का सिंगार संस्कृति, संस्कार संयम करती है। अक्षय तृतीया के दिन दान का प्रारंभ भगवान आदिनाथ के काल से हुआ था। साधु और श्रावक के मिलने का यह दिन है। पुरानी परम्परा एवं संस्कृति को पुनः दोहराने के लिए ही आज इन पर्वो को मनाते हैं। अपने धन को अगर शरीर में डालोगे तो यह गलेगी, भोगों में डालोगे तो वह सड़ेगी और उसी धन को अगर दान में दोगे तो वह अक्षय बनेगी। आज का मुहुर्त अचूक इसलिए है क्योंकि इस दिन दिया हुआ दान अक्षय बनता है। विशेष कर आहार दान का बड़ा ही महत्व है क्योंकि आज के दिन आदि सागर मुनि राज को 6 माह बाद इक्षु रस का आहार मिला था। आज बूंदी समाज के साथ नैनवां आलोक, रूपनगढ़ तथा जयपुर के लगभग 500 लोगों ने मिलकर पूज्य गुरू मां को पड़गाहन कर आहार दान देने का सौभाग्य प्राप्त किया।

अक्षय तृतीय पर गौशाला में आहार दान

महावीर कुमार सरावगी संवाददाता

नैनवां जिला-बून्दी 4 मई वार। खण्डेवाल सरावगी समाज की महिला मण्डल ने अक्षय तृतीय पर्व पर गौशाला में पहुंचकर एक मेटाडोर के अन्दर भरा हरा चारा पशुओं को डालकर महान पुण्य का संचय किया। महिला मण्डल के अध्यक्ष वर्षा जैन शाह ने बताया कि इस अवसर पर 16 महिलाओं ने प्रातः 8 बजे गोपाल गौशाला पहुंचकर अपने हाथों से एक मेटाडोर में हरा चारा क्रय करके इस अवसर पर दान की भावना बनाकर पुण्य प्राप्त किया। गौशाला में महिलाओं ने पहुंच कर बताया कि एक गाय व बछड़ा काफी समय से बीमारी के कारण चारा पानी नहीं खा रहे थे उन्हें अपने हाथों से चारा पानी खिलाकर 9 बार णमोकार महामंत्र का पाठ सुनाकर ईश्वर से शीघ्र ही उनकी स्वस्थ जीवन होने की कामना की। महिलाओं में वर्षा जैन शाह, गुणमाला सरावगी, सुनिता पाटोदी, सुनिता जैन बाछौला वाली, बबली बजाज, रेखा शाह, बीना शाह एवं समस्त सरावगी महिला मण्डल ने पहली बार इस पर्व पर यह सौभाग्य प्राप्त किया।

सांसद जी ने किये दर्शन आचार्य श्री के

धामनोद में विराजमान हैं आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

अभिषेक जैन लुहाड़िया

खरगौन। बड़वानी सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल ने श्रवणबेलगोला कर्नाटक से श्री महावीर जी राजस्थान की ओर पदविहार कर रहे धामनोद में विराजमान सर्वोच्च दिगम्बर जैनाचार्य परम पूज्य 108 आचार्यश्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ के दर्शन किये एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आचार्यश्री द्वारा क्षेत्र में शांति-सौहार्द एवं सद्भावना बनी रहे व उनके उज्जवल-उच्च चारित्रिक राजनीतिक भविष्य हेतु मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। आचार्यश्री ने सांसद महोदय को बीसवीं शताब्दी के प्रथम दिगम्बर जैनाचार्य उनके आद्यगुरू परम पूज्य 108 आचार्यश्री शांतिसागर जी महाराज का जीवन परिचयात्मक ग्रंथ 'चारित्र-चक्रवर्ती' भेंट किया।

बालाचार्य निपूर्णनन्दीजी महाराज ससंघ का सम्मेदशिखरजी में 11 मई को मंगल प्रवेश

महावीर कुमार सरावगी, संवाददाता

नैनवां, बून्दी, 04 मई। आचार्य 108 इन्द्रनन्दी जी महाराज के परम् शिष्य बालाचार्य निपूर्णनन्दीजी महाराज का ससंघ 11 फरवरी को ग्राम केकड़ी जिला-अजमेर से महती धर्म प्रभावना करते हुये विहार किया। संघपति प्रेम कुमार जैन मोडिका नैनवां एवं 9 पुरूष एवं 5 महिलाऐं संघ को विहार कराते हुऐ 11 मई को प्रातः 8 बजे सम्मेदशिखर मधुबन पहुंचने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे। बालाचार्य श्री का वर्षायोग सम्मेदशिखर जी में ही होगा।

लखनऊ में विश्व शांति हेतु विधान

लखनऊ। आचार्य श्री दया सागर महाराज के सान्निध्य में तीन दिवसीय विश्व शांति के लिए यज्ञ की शुरूआत 1 मई से हुई। चौक के जैन मंदिर के अध्यक्ष अशोक कुमार जैन ने बताया कि मंदिर के महामंत्री अमित जैन के संयोजन में आयोजन शुरू हुआ। सुबह अभिषेक व शांतिधारा के साथ यज्ञ शुरू हुआ। मुनि श्री मानव समाज को एकजुट करने और सामाजिक समरसता कायम रखने का संदेश दे रहे हैं। उ.प्र. जैन विद्या शोध संस्थान के उपाध्यक्ष डा. अभय कुमार जैन ने बताया कि आशियाना के जैन मंदिर में विशेष पूजन किया गया।

जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप व्हाट्सअप्प पर मोबाइल नं. 07607921391 पर भी भेज सकते हैं।
विज्ञापन संपर्क- 0522-2662589, 2661021, मोबा. 9415108233

जनकपुरी ज्योति नगर जयपुर में तीन दिवसीय महावीर जयंती

जैन गजट संवाददाता

जयपुर, 14 अप्रैल। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में भरतेश्वरीमति माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में तीन दिवसीय महावीर जयंती समारोह हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। समारोह के प्रथम दिन शाम को महिला मंडल द्वारा एक शाम वर्धमान के नाम का कार्यक्रम हुआ। भगवान महावीर की भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी, प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम बिलाला ने दीप प्रज्जवलन कर किया। आर्यिकारत्न 105 भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सान्निध्य में गाजे-बाजे के साथ जुलूस ज्योति नगर, इमली फाटक होता हुआ जनकपुरी मंदिर पहुंचा। धर्मसभा में माताजी द्वारा आशीर्वचन में भगवान महावीर के उपदेश को जीवन में अंगीकार करने का संकल्प दिलाया। तीसरे दिन शुक्रवार को सुबह माताजी का प्रवचन तथा शाम को 48 दीपकों से रिद्धि मंत्रों के साथ भक्तामर दीप अर्चना माताजी के सान्निध्य में आयोजित की गई।

त्रिवेणीनगर : जन्म कल्याणक भक्ति भाव से मनाया

राजाबाबू गोधा, फागी, संवाददाता

जयपुर, 14 अप्रैल। गोपालपुरा बाईपास स्थित त्रिवेणी नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का 2621वां जन्म कल्याणक महोत्सव आर्यिका सोम्य नंदिनी माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में भक्तिभाव से मनाया गया। प्रातः मंदिर जी से प्रभातफेरी निकाली गयी जिसमें बढ़ी संख्या में भक्तगण महावीर स्वामी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। प्रभातफेरी का मंदिर जी पहुंचने पर भगवान के जयकारों के बीच भव्य अभिषेक हुआ जिसमें प्रथम शांतिधारा का सौभाग्य धर्मश्रेष्ठी महावीर, मनीष कासलीवाल को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात् अष्ट द्रव्यों से सामूहिक विशेष पूजा अर्चना हुई। सायंकाल महाआरती के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

टोंकः भ. महावीर स्वामी का जन्मोत्सव मनाया गया

जैन गजट संवाददाता

टोंक। शहर की पावन धरा पर सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन - जन के आराध्य, वर्तमान के वर्धमान, शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का 2621वां जन्मोत्सव श्री दिगम्बर जैन नसिया में मनाया गया। अहिंसा जयवंत दिवस पर श्री दिगम्बर जैन नसिया से प्रातःकाल 8 बजे प्रभातफेरी मुख्य मार्ग बड़ा कुआं, सुभाष बाजार होते हुए घंटाघर पर पहुंची जहां पर जैन नसिया, पुरानी टोंक एवं हाउसिंग बोर्ड की प्रभातफेरी का संगम हुआ जहां से जुलूस के रूप में महिलाएं नृत्य करते हुए एवं पुरूष वर्ग महावीर स्वामी के जयकारों लगाते हुए अहिंसा सर्किल पहुंचे जहां पर समाज के लोगों के द्वारा मानस्तंभ पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया। इस मौके पर समाज के द्वारा पक्षियों के लिए परिडे बांधे गए। शाम को जैन नसिया में आरती, प्रश्न मंच, स्वाध्याय, शास्त्र सभा इत्यादि धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

बाली में महावीर जयंती मनाई गई

अंशु (सोनू) जैन बाली

बाली (हावड़ा)। श्री महावीर स्वामी भगवान का 2621वां जन्म कल्याणक महोत्सव सकल दिगम्बर जैन समाज बाली हसाबाजार द्वारा श्री जी प्रतिमा के साथ श्री दिगम्बर जैन नया मन्दिर जी बाली हसाबाजार से भव्य जुलूस एवं झांकी के साथ निकाला गया जिसमें समाज के तकरीबन 500 लोगों ने भाग लिया। इसमें बाली अंचल के विधायक श्री डॉ. राणा चटर्जी भी उपस्थित हुए। इस अवसर पर बाली अंचल के अलावा लिलुहा, बेलूर, उत्तरपाड़ा आदि से जैन समाज के काफी सदस्य उपस्थित हुए। शोभायात्रा पुनः वापस श्री दिगम्बर जैन नया मन्दिर बाली हसाबाजार आ गयी जहां समाज की ओर से सामूहिक भोजन की व्यवस्था की गई थी एवं संध्याकाल में राहगीरों के लिए भी भोजन की व्यवस्था की गई जिसे सभी लोगों ने सराहा। संध्या काल में पदमावती महिला मंडल द्वारा महावीर प्रभु जी का पालना उत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री दिगम्बर जैन नया मन्दिर कमेटी बाली, पदमावती महिला मंडल बाली एवं सकल दिगम्बर जैन समाज बाली का भरपूर योगदान प्राप्त हुआ।

जयपुर में सारा मानसरोवर हुआ महावीरमय

जैन गजट संवाददाता

जयपुर, 13 अप्रैल। सकल जैन समाज मानसरोवर द्वारा भगवान महावीर का 2621वां जन्म कल्याण महोत्सव के पूर्व दिवस पर विशाल एवं ऐतिहासिक वाहन प्रभातफेरी का आयोजन किया गया।

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एसएफएस अग्रवाल फार्म से प्रातः 7.15 पर झंडारोहण कर कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ किया गया। ऐतिहासिक प्रभातफेरी का झंडारोहण करने का सौभाग्य प्रभातफेरी के मुख्य संयोजक विनेश सोगानी को प्राप्त हुआ।

वाहन प्रभातफेरी प्रातः 7.15 एसएफएस दिगम्बर मंदिर से रवाना होकर श्री दिगम्बर जैन मंदिर पारसनाथ थड़ी मार्केट श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मीरा मार्ग श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हीरा पथ होते हुए श्री दिगम्बर जैन मंदिर वरूण पथ मानसरोवर में प्रभातफेरी का समापन किया गया। समापन से पूर्व प्रभातफेरी में शामिल सभी महिलाएं केसरिया वस्त्र में, पुरूष सफेद परिधान पहने हुए भगवान महावीर के जयकारे लगाते हुए भजन गाते हुए चल रहे थे एवं विभिन्न स्थानों पर सभी समाजों द्वारा अलग-अलग जगह जलपान की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर भगवान महावीर की विशाल प्रतिमा के समक्ष 108 दीपकों से महाआरती की गई पश्चात् आचार्य विद्यासागर सभागार भवन में धर्म सभा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिगम्बर जैन समाज के प्रसिद्ध विद्वान पंडित नरेंद्र जी जैन एवं गुलराज जी जैन ने भगवान महावीर के सिद्धांतों पर अपना मंगल उद्बोधन प्रदान किया।

भीलवाड़ा में निकली विशाल शोभायात्रा

प्रकाश पाटनी, संवाददाता

भीलवाड़ा, 14 अप्रैल। सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव पर श्रमण मुनि विकसंत सागर जी महाराज एवं मुनि आचार सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में विशाल शोभायात्रा निकली।

बाहुबली जैन वेलफेयर सोसायटी के संयोजन में प्रातः आमलियों की बाड़ी से श्रीजी का रथ के साथ शोभायात्रा निकली। शोभायात्रा आमलियों की बारी में संपन्न हुई। दिगम्बर जैन समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष सोहनलाल गंगवाल ने बताया कि शोभायात्रा के समापन के बाद अग्रवाल उत्सव भवन में सकल दिगम्बर जैन समाज का वात्सल्य भोज आदिनाथ नवयुवक मंडल आर. के. कॉलोनी के संयोजक में संपन्न हुआ।

महावीर जयन्ति पर हुआ भव्य समारोह

महावीर प्रसाद अजमेरा, संवाददाता

जोधपुर। श्री आदिनाथ जैन मन्दिर रेलवे स्टेशन जोधपुर में मुख्य समारोह भगवान महावीर स्वामी का भव्य पालना झुलाने का रहा। 15 दिन तक दिगम्बर जैन महिला महासमिति जोधपुर ने भजन-गाना किया जो सराहनीय रहा। दिनांक 13.04.22 को रात को समापन समारोह किया।

14.04.22 को भगवान महावीर स्वामी जयन्ति पर झण्डारोहण किया व सुबह 9.30 बजे रथयात्रा शोभा निकाली गई। भगवान महावीर को विराजमान किया श्रीमान् पवन कुमार जी पाटनी ने व रथश्री का सारथी श्रीमान सम्पतराज पहाड़िया बने। श्री सम्पत राज जी पहाड़िया के परिवार ने चंवर डोलाया। श्री रथ जी को श्री मन्दिर से महात्मा गांधी अस्पताल होते हुये मार्ग में धर्म प्रभावना करती हुई महिलाऐं व पुरूष, पुरूष वर्ग सफेद पोशाक पहने हुए और झण्डा फहराते हुए भजन गाते हुये भगवान महावीर के जय-जयकार करते हुए वापस जैन मन्दिर आ गई जिससे दिगम्बर जैन धर्म की प्रभावना हुई।

पर में मजा मानने वालों को सजा के अलावा कुछ भी नहीं मिलेगा।

साप्ताहिक जैन गज़ट

मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज के सान्निध्य में

विश्व का सबसे बड़ा डिजिटल तत्वार्थ सूत्र का स्वाध्याय

अनिल जैन बड़कुल

आचार्य उमा स्वामी द्वारा विरचित श्री तत्वार्थसूत्र ग्रंथराज जैन धर्म का सबसे बड़ा और महान ग्रंथ है। श्री तत्वार्थ सूत्र ग्रंथराज में 10 अध्याय एवं 357 सूत्र हैं। इस महान ग्रंथराज का अध्ययन पिछले 2 महीने से मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज की दिव्य वाणी में ऑनलाईन जिनवाणी चैनल के माध्यम से पूरे विश्व में कराया जा रहा है। मुनिश्री का उद्देश्य है कि श्री तत्वार्थसूत्र जी का अध्ययन पूरे विश्व के घर-घर में हो, यह अनूठा स्वाध्याय केवल बड़ों के लिए ही नहीं बच्चों के लिए भी है क्योंकि अर्ह टीम की कड़ी मेहनत से श्री तथ्वार्थसूत्र जी को एक नया रूप दिया गया जिसमें ग्राफिक्स और एनिमेशन के माध्यम से इसको आकर्षक बनाया गया ताकि छोटे से छोटा बच्चा भी इसको सरल तरीके से समझ सके। आज तत्वार्थसूत्र से केवल भारत के ही नहीं बल्कि अमेरिका, कनाडा, स्वीटजरलैण्ड, दुबई, सिंगापुर, छत्तीसगढ़, आसाम, बिहार, जम्मू और कश्मीर, मिजोरम, चेन्नई ऐसे अनेक देशों/प्रदेशों से लोग जुड़े हुए हैं और इन सभी लोगों ने तत्वार्थसूत्र की परीक्षा भी दी है।

आज की युवा पीढ़ी के मन में अनेक प्रश्न उठते हैं धर्म क्या है? आत्मा क्या है? धर्म क्यों करना चाहिए? धर्म से क्या होता है? उनके इन सभी प्रश्नों का उत्तर गुरूदेव में बहुत ही वैज्ञानिक तरीके से अपने प्रवचनों में दिया है। प्रायः संसार के सभी प्राणी यह तो जानते हैं कि मोक्ष होता है, मोक्ष क्या है? लेकिन उस मोक्षमार्ग पर कैसे बढ़ना है, मोक्ष का मार्ग क्या है तो यह लोगों को ज्ञात नहीं है। अगर आप भी अपने प्रश्नों का उत्तर, अपनी जिज्ञासाओं का समाधान चाहते हैं तो श्री तत्वार्थ ग्रंथराज से जुड़िए और अपने साथ सभी को जोड़िए क्योंकि यही एक ऐसा मौका है जिससे आप अपने ज्ञान, ध्यान को, अपनी आत्मा में छुपे अनंत ज्ञान को आत्मसात् कर पाएंगे, अपना जीवन सार्थक कर पाएंगे।

पूप्रदि जैन महिला संगठन ने बाफना इंस्टीट्यूट में

15 दिव्यांगों को बनाया आत्म निर्भर

फूलमाला पाटनी

गुवाहाटी। अमीन गांव स्थित तोलाराम बाफना कृत्रिम पैर व कैलिपर केन्द्र में पूर्वोत्तर प्रदेशीय दिगम्बर जैन महिला संगठन गुवाहाटी शाखा के तत्वावधान में श्री महावीर जयन्ति के उपलक्ष्य में आर्थिक रूप से कमजोर 15 दिव्यांगों के निःशुल्क कृत्रिम पैर एवं कैलिपर प्रदान किये।

इस अवसर पर केन्द्रीय अध्यक्षा श्रीमती फूलमाला पाटनी के साथ संयोजिका (कृत्रिम पैर), शशि बड़जात्या, प्रीति सेठी, गीता पाण्ड्या, संगीता पहाड़िया, कुमकुम पाटनी, सुनीता अजमेरा, सोनू पहाड़िया ने दिव्यांगों से बातचीत करके उन्हें अकस्मात आई चुनौतियों का सामना करने के लिये अंग प्रत्यारोपण द्वारा पुनः एक नई शुरूआत हेतु प्रोत्साहित किया। इस कार्य को सार्थक बनाने में श्रीमती सन्तोष-विनोद पहाड़िया (मयूरी), श्रीमती सरिता जैन (मालीगांव), फूलमाला पाटनी, रंजू पाण्ड्या, वीणा सरावगी, बबिता सेठी (मंत्री), मंजू सरावगी, कुसुम गोधा, रूपा रारा, प्रिया जैन, रूपांगी डिम्पल नुनमाटी, सुमन, बबली का इस महान सेवा कार्य में काफी सहयोग रहा। डीमापुर से इन्द्रा देवी गंगवाल ने अपने क्षेत्र से एवं मिली छाबड़ा ने धोबड़ी से सहयोग दिया। इस दौरान सभी मरीजों के बीच मिठाई नमकीन, बिस्किट वितरित किये गये।

शोभना जैन को मिली भारतीय महिला प्रेस कोर की कमान

संवाददाता

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। विजन न्यूज ऑफ इंडिया की शोभना जैन को भारतीय महिला प्रेस कोर का अध्यक्ष चुना गया है। संगठन की प्रबंध समिति के 2022-23 के लिए हुए चुनाव में स्वतंत्र पत्रकार सुश्री पारूल शर्मा और द फाइनेंशियल एक्सप्रेस की हुमा सिद्दीकी को उपाध्यक्ष चुना गया।

दान पर्व के रूप में मनाया जाता है जैन धर्म में अक्षय तृतीया को

कैलाश रारा, रायपुर

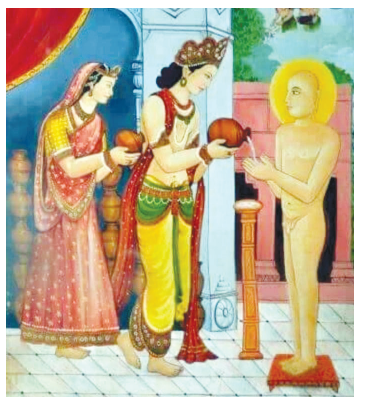

प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने दीक्षा के पश्चात् प्रथम बार हस्तिनापुर के राजा श्रेयांश के हाथों से इक्षु रस का आहार ग्रहण किया था। उसी दिन से अक्षय तृतीया जैन धर्म में दान पर्व के रूप में प्रसिद्ध हो गई। उल्लेखनीय है कि मुनि दीक्षा के समय भगवान ऋषभदेव ने 6 माह का उपवास लिया था पश्चात् 7 माह एवं 9 दिन तक किसी को आहार की विधि मालूम नहीं होने का कारण भगवान का पारणा संभव नहीं हो सका। इसी क्रम में एक बार विहार करते हुए भगवान ऋषभदेव हस्तिनापुर पहुंचे, वहां पर पूर्व भव में दिए गए आहार की विधि स्मरण हो जाने के कारण वहां के राजा श्रेयांश ने श्रद्धा भक्तिपूर्वक भगवान ऋषभदेव का इक्षु रस से आहार करवाया।

प्राचीन शास्त्रों पर होगा अनुसंधान

संवाददाता

इंदौर। इंटरनेशनल जैन ज्योतिष वास्तु रिसर्च एसोसिएशन का अधिवेशन एयरपोर्ट स्थित होटल में हुआ। इसमें ज्योतिष के प्राचीन शास्त्रों पर अनुसंधान का निर्णय लिया गया। एसोसिएशन के देवेंद्र सिंघई ने कहा कि जैन ज्योतिष का प्रसार भगवान आदिनाथ के काल से प्रतिपादित है। उन्हीं के सिद्धांतों पर अनुसंधान की आवश्यकता है। इसके लिए प्रतिमाह सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर दो वर्ष के लिए संरक्षक आलोक जैन, अध्यक्ष आभा जैन, उपाध्यक्ष सुनील जैन बजाज, महामंत्री आशीष जैन, मंत्री मनीषा चेलावत को मनोनीत किया गया। संगठन मंत्री मनोज जैन, कोषाध्यक्ष पंकज जैन, प्रचार मंत्री सीमा गांधी एवं विस्तार मंत्री मीना नाहटा को निर्विरोध चुना गया। संचालन एम. के. जैन ने किया। आभार निधि सेठी ने माना।

फिर एक बार आना होगा महावीर

वो तुम्हीं थे जिसने अहिंसा का पाठ पढ़ाया था,
वो तुम्हीं थे जिन्होंने सत्य का मार्ग दिखलाया था।
ब्रह्मचर्य की महिमा को बतलाया था,
विश्व में शांति हो, अतः तुमने अनेकांत को समझाया था।
मन की बेचैनी ना हो, आवश्यकता से अधिक संचय,
तुम्हारे लिये सही नहीं है, अपरिग्रही बनो यही श्रेष्ठ है।
प्राणी मात्र पर दया तुम्हारी ही भाषा थी,
मिट्टी पेड़-पौध जलवायु कीड़े-मकोड़े से तादात्मय की बात तुम्हीं ने कही थी।
प्रकृति का दोहन तुम्हारे लिये ठीक नहीं है, यह भी तुमने बताया था,
दूसरों का दमन ना हो शोषण ना हो, यही तुम्हारी वाणी थी।
स्वतंत्रता सबका मौलिक अधिकार है, किसी को अपने अधीन मत बनाओ,
यह कहने वाले तुम्हीं तो थे, चंदनबाला का उद्धार करने वाले महावीर तुम्हीं तो थे।
निशस्त्रीकरण ही सबसे बड़ा हथियार है, इसके प्रणेता तुम्हीं तो थे,
तुम त्रिकालदर्शी थे महावीर तभी तो तुम्हारे सिद्धांत हर युग में, हर क्षेत्र में मान्य रहेंगे।
जय महावीर!

-रत्नप्रभा सेठी, गुवाहाटी

हार्दिक शुभकामना सहित
VIJAY KUMAR GANGWAL
CROWN Enterprises Pvt. Ltd.
GUWAHATI-781001
Phone : 2517274,
Mobile : 98640-20611
e-mail : distribution@crownenterprisesprivatelimited.com

हार्दिक शुभकामना सहित
कपूरचंद जैन एंड सन्स
कॉमर्स हाउस, ए. टी. रोड, गुवाहाटी (आसाम)
फोन नं.- 0361-2514863 (का.) 2514796 (नि.) फैक्स: 0361-2632755
(मो.) 098641-18950, 09854050969
Email:Kcjain39@gmail.com
Shinerealtors@rediffmail.com

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2021-2023

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh, Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Ph. 0522-2662589, 2661021 Mob. 7880978415, 9415108233, 8081191814, 7505102419 **Web site-** jaingajat.com
email- jaingazette2@gmail.com **whatsapp** 7607921391

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-, दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

To,
.....
.....
.....

Printed by SUDHESH KUMAR JAIN and **published by SUDHESH KUMAR JAIN** on behalf of **SHRI BHARATVARSHIYA DIGAMBAR JAIN MAHASABHA** and printed at **JAIN OFFSET PRINTERS 252/67, RAKABGANJ KADEEM, NEHRU CROSS, LUCKNOW - 226004 Uttar pradesh** and published at Nandiswar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish Bagh, **Lucknow-226004 Uttar pradesh Editor- KAPOOR CHANDRA PATNI**

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।